RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार, 26 नवंबर 2022 वर्ष 04 अंक 190 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई की सड़कों पर गड्ढे ढूंढते रह जाओगे...

कंक्री टीकरण के लिए BMC ने निकाला 6 हजार करोड़ का टेंडर... !

मुंबई : अगले दो सालों में मुंबई की सड़कें चकाचक होने वाली हैं. गड्ढे ढूंढने से भी नहीं मिल पाएंगे. सड़कों का कंक्रीटीकरण होने जा रहा है. मुंबई में सड़कें गड्ढे मुक्त करने के लिए कंक्रीटीकरण यानी सीमेंट की सड़कें तैयार करने का वादा महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन होने के तुरंत बाद शिंदे-फडणवीस सरकार ने किया था. अब इसके लिए बीएमसी का 6 हजार करोड़ का टेंडरजारी किया गया है.

कॉन्ट्रैक्टरों के कम रेस्पॉन्स मिलने की वजह से महीने भर पहले रद्द किया गया टेंडर एक बार फिर निकाला गया है. मुंबई शहर और उपनगरीय भागों की 400 किलोमीटर की सड़कों के कंक्रीटीकरण के लिए 6 हजार 79 करोड़ का नया टेंडर जारी किया गया है. इस टेंडर प्रक्रिया को पूरे होने में महीने भर का समय लगेगा. इसके बाद कॉन्ट्रैक्टरों की नियुक्ति की जाएगी और फिर दो साल के अंदर इन सड़कों के कंक्रीटीकरण का काम पूरा करने को कहा जाएगा. इससे पहले मुंबई महानगरपालिका ने 2 अगस्त 2022 को इन सड़कों के सीमेंट कंक्रीटीकरण के लिए 5 हजार 800 करोड़ रुपए का टेंडर निकाला था. . कई बड़े कॉन्ट्रैक्टरों ने टेंडर की शर्तों और फायदे और बचत का अंदाज लगाते हुए कुछ खास उत्साह नहीं दिखाया. अब यह रकम बढ़ा कर 6 हजार 79 करोड़ कर दी गई है. अब मुंबई शहर के लिए एक, पूर्वी उपनगरीय इलाकों के लिए एक और पश्चिमी उपनगरीय इलाकों के लिए तीन टेंडर निकाले हैं. ज्यादातर पुरानी शर्तों को कायम रखा गया है.

नई तकनीक का इस्तेमाल, गड्ढे मुक्त सड़कों के लिए ये होगा कमाल

'पोरस' कंक्रीट टेकनीक के इस्तेमाल की शर्त को नए टेंडर में शामिल किया गया है. इस तकनीक की खासियत यह है कि यह सड़कों में जमा पानी को सोख लेता है. इससे पानी बह जाने की बजाए जमीन के नीचे इकट्ठा होगा और जलस्तर ऊंचा होगा. साथ ही सड़कों पर गड्ढे भी नहीं बनेंगे. काम पूरा होने के बाद अगले दस साल तक सड़कों की टूट-फूट होने पर उसकी मरम्मत करने की शर्तें भी जोड़ी गई हैं. इससे पहले जारी किए गए टेंडर की दर 2018 के हिसाब से तय की गई थी. लेकिन पिछले तीन-चार सालों में सीमेंट, लोहे, स्टील की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं. इसलिए टेंडर की रकम बढ़ाई गई है.

"सरकार का बड़ा फैसला...!

महाराष्ट्र के कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए वोटर आईडी कार्ड होगा अनिवार्य,

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार कॉलेजों में प्रवेश के लिए 18 वर्ष से अधिक उम्र के छात्रों के लिए अपना मतदाता पंजीकरण करवाना अनिवार्य करेगी। यह जानकारी राज्य के एक मंत्री ने दी। बृहस्पतिवार को यहां राजभवन में गैर-कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में, राज्य के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत अनिवार्य रूप से जून 2023 से चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करेगी और विश्वविद्यालयों को निर्णय लागू करना होगा। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालयों के पास कोई विकल्प नहीं है क्योंकि उन्हें एनईपी के तहत अनिवार्य रूप से जून से चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम को लागू करना होगा, उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करने में विफल रहने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पाटिल ने कहा कि एनईपी के कार्यान्वयन पर कुलपतियों की चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार जल्द ही सेवानिवृत्त कुलपतियों की एक समिति का गठन करेगी। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों द्वारा मतदाता पंजीकरण के निराशाजनक प्रतिशत पर ध्यान देते हुए, उन्होंने कहा, सरकार कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए छात्रों को अपना मतदाता पंजीकरण अनिवार्य करने के लिए एक प्रस्ताव जारी करेगी।

खुदाई में मिले गुप्तधन बताकर लाखों की ठगी करने वाले राजस्थानी ठग गैंग के 2 ठगो को यूनिट 12 ने किया गिरफ्तार...

मुंबई : घर मे खुदाई करते समय जमीन के अंदर से गुप्तधन मिलने की बात बताकर लाखों का ठगी करने वाले राजस्थानी ठग गैंग के 2 सदस्यों को क्राइम ब्रांच यूनिट 12 ने अंधेरी से गिरफ्तार किया है। जो एक दुकानदार को ठगने की फिराक में थे। अरोपी को न्यायालय ने 30 नवंबर तक कस्टडी में रखने का आदेश दिया है। मिली जानकारी के अनुसार कुरार पुलिस स्टेशन की हद में रहने वाले एक स्टेशनरी शॉप चलाने वाले ने शिकायत दर्ज कराया था, कि कुछ दिन पहले ठग गैंग के कुछ सदस्यों ने मिलकर उसे गुप्तधन मिलने व उसे चुपके से बेचने की बात बताकर 4 लाख 60 हजार रुपये का चूना लगाकर फरार हो गए है। कुरार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद क्राइम ब्रांच यूनिट 12 के प्रभारी पुलिस निरीक्षक विलाश भोसले के मार्गदर्शन में अपीआई विजय रास्कर और उनकी टीम ने मामले की जांच शुरू की। जानकारी के आधार पर जब आरोपी की तलाश शुरू की तो पता चला कि यह वही आरोपी है जो राजस्थान के रहने वाले है। यह ठग गैंग मुंबई के अलग अलग इलाकों में जाकर पहले लोगो को असली सोना दिखाते है, बाद में पैसा लेकर नकली सोने के गहने देकर फोन बंद करके गायब हो जाते है।

पुलिस ने जांच करते हुए 2 आरोपी मंछाराम नाथुराम परमार (36) जगदिश उर्फ जगाराम दयाराम साखला (32) को अंधेरी से गिरफ्तार किया है जो एक और व्यक्ति को ठगने की फिराक में थे। पुलिस ने ठगों के पास से 2 मोबाइल फोन और नकली सोना जब्त कर लिए है। दरसअल यह लोग ऐसे लोगो की तलाश करते है जो दुकान में अकेला बैठा हो। यह गैंग उनके पास जाते है और उन्हें यह बताते है कि वह लोग मजदूरी का काम करते है। घर मे खुदाई का काम करते समय उन्हें गुप्तधन मिले है लेकिन वह किसी सुनार को नही बेंच सकते क्योंकि वह खुलासा कर देगा। यह गैंग उस दुकानदार को पहले कुछ असली गहने दिखाकर उसकी जांच परख करने को बोलते है। जब सोने की जांच हो जाती है तब 2 दिन बाद यह गैंग फिर उसी दुकान में जाता है और बोलता है कि उनके पास कुछ गुप्तधन मिले गहने है जिन्हें वह सस्ते दामों में बेंचकर राजस्थान जाना है। ऐसा कहकर वह उस दुकानदार को बाहर पैसे देकर गहने लेकर जाने की बात बोलकर बुलाते है। जब वह दुकानदार इनके झांसे में आकर रुपये लेकर इनके पास जाते है तो गैंग के लोग इन्हें नकली सोने के गहने देकर चुपचाप निकल जाने की बात बोलकर खुद अपने मोबाइल को बंद कर देते है। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि गुप्तधन बताकर और कितने लोगो को चुना लगा चुके है।

संपादकीय / लेख

साख पर न आये आंच...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख के लिये जरूरी है कि चुनाव प्रक्रिया को अंजाम देने वाली संस्था सशक्त व स्वतंत्र हो। तभी आम व्यक्ति का चुनाव प्रक्रिया में भरोसा कायम रह सकता है। जरूरी है कि देश का निर्वाचन आयोग किसी राजनीतिक दल या सरकार के दबाव से मुक्त होकर नियम-कानून के अनुसार फैसले ले। अब चाहे कार्यपालिका के शीर्ष व्यक्ति का चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा मसला ही क्यों न हो। लेकिन हाल के दिनों में चुनाव आयुक्तों के चयन को लेकर कई विसंगतियां सामने आई हैं। मौजूदा सरकार ही नहीं बल्कि पिछली कई सरकारों के दौरान ढाई दशक की अवधि में कोई भी मुख्य चुनाव आयुक्त निर्धारित कार्यकाल पूरा नहीं कर सका। पिछली सदी के अंतिम दशक में पूरे कार्यकाल में काम करने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन ने अपने विजन से चुनाव प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन किये। बिना किसी राजनीतिक दबाव के चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी व विश्वसनीय बनाया। उनकी अनुशासित व सख्त कार्यशैली से राजनीतिक दल निरंकुश व्यवहार नहीं कर पाये। लेकिन उनके बाद शायद ही किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को पूरा कार्यकाल मिला हो जिससे वे चुनाव सुधार की प्रक्रिया को मूर्त रूप दे पाते। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को इस बाबत एक याचिका पर सुनवाई के दौरान तल्ख टिप्पणी करनी पड़ी। कोर्ट को कहना पड़ा कि संविधान में मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया तय न करके यह कार्य संसद पर छोड़ा गया था, जिसका सरकारें अनुचित लाभ उठाती रही हैं। शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे की सुनवाई के दौरान नये चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये। साथ ही सरकार से इस चयन से जुड़ी फाइल पेश करने को कहा गया है। कोर्ट का कहना था कि मुख्य चुनाव आयुक्त को इतना सशक्त होना चाहिए कि यदि किसी चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकार के मुखिया के खिलाफ कोई शिकायत आये तो उस पर भी कार्रवाई की जा सके। दरअसल, शीर्ष अदालत की टिप्पणी से पहले भी इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष तक है, जो भी पहले पूरा होता हो। लेकिन पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा है कि सरकारों द्वारा चुनाव आयुक्त की नियुक्ति इस तरह की जा रही है कि वे निर्धारित अधिकतम आयु सीमा आने के कारण अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते। हालांकि सरकारों को पता होता है कि नियुक्त किये गये व्यक्ति की जन्मतिथि क्या है। कहा जा सकता है कि सरकारों की मंशा रहती है कि कोई भी चुनाव आयुक्त अपना कार्यकाल पूरा न कर सके। जिसके चलते मुख्य चुनाव आयुक्त अपने विजन के अनुसार चुनाव व्यवस्था में सुधार को अंजाम नहीं दे पाते। उल्लेखनीय है कि लॉ कमीशन भी अपनी रिपोर्ट में कह चुका है कि मुख्य चुनाव आयुक्त सहित सभी चुनाव आयुक्तों का चयन तीन सदस्यीय चयन समिति की सिफारिशों के अनुरूप हो, जिसमें प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष या लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल का नेता तथा मुख्य न्यायाधीश शामिल हों।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मीरा रोड में बनेगा महाराष्ट्र का पहला हिंदी भाषा भवन

यूपी के मंत्री के हाथों रखी जाएगी आधारशिला

भायंदर : मीरा रोड में महाराष्ट्र के पहले कवि हरिवंश राय बच्चन हिंदी भाषा भवन की आधारशिला रविवार को यूपी के जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के हाथों रखी जाएगी। इसी दिन हरिवंश राय की जयंती है। हिंदी भाषियों की लंबी मांग के बाद तकरीबन आठ साल पहले युति सरकार में मुंबई विद्यापीठ में हिंदीभाषा भवन की आधरशिला मंत्री नारायण राणे के हाथों रखी गई थी। पूर्व मंत्री राममनोहर त्रिपाठी के नाम से बनने वाले इस भवन के लिए कांग्रेस के पूर्व मंत्री नसीम खान का प्रयास रहा था। चूंकि त्रिपाठी कांग्रेस के नेता थे। इसलिए यह भवन राजनीति की भेंट चढ़ गया।

मीरा रोड में विनय नगर के पीछे जेपी इंफ्रा के पास बनने वाला हिंदी भाषा साहित्यिक भवन क्षेत्रीय शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक प्रताप सरनाईक की संकल्पना और प्रयास का नतीजा है। सरनाईक ने कहा कि मीरा-भायंदर मिनी इंडिया है और वे सभी भाषा-भाषी के विधायक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह सबका साथ-सबका विकास मूलमंत्र उनका भी है। हिंदी साहित्य, संस्कृति, परंपरा और विधा को जींवत रखने और उसे बढ़ाने और हिंदी भाषियों के संगम के लिए एक छत का होना जरूरी है। सरनाईक ने कहा कि इसी तर्ज पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से वे यूपी में कवि कुसुमाग्रज के नाम मराठी भाषा भवन बनाने की मांग करने वाले हैं। सरनाईक ने कहा कि पब्लिसिटी नहीं, बल्कि हिंदी सहित सभी भाषा के साहित्य प्रेमियों के लिए वे अच्छी मंशा के यह भवन बनवा रहे हैं। इसका लाभ मुंबई, ठाणे, पालघर शहरों के हिंदी भाषियों को भी मिलेगा।

महाराष्ट्र सरकार एक करोड़ रुपए निधि देगी

शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह ने बताया कि 60 हजार वर्गफीट में बनने वाला हिंदी भाषा भवन 5 मंजिल का होगा। इसमें हॉल, लाइबेरी, मिनी थियेटर होगा।कंस्ट्रक्शन टीडीआर के मार्फत यह भवन महानगरपालिका बनाकर देगी और आंतरिक साज सज्जा के लिए महाराष्ट्र सरकार एक करोड़ रुपए निधि देगी। भवन फुल्ली एसी होगा। भूमिपूजन समारोह में ठाणे के पालकमंत्री शुंभराज देसाई, अभिनेता जितेंद्र कपूर, पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह, चंद्रकांत त्रिपाठी मुख्य रूप से शिरकत करेंगे।

म्हराल गांव में मकान का स्लैब गिरने से एक महिला की मौत...!

बच्ची गंभीर रूप से घायल

कल्याण : कल्याण-मुरवाड रोड पर स्थित म्हराल गांव के सूर्यनगर क्षेत्र में घर की छत का स्लैब गिरने से हुए हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। म्हराल गांव के पास बड़ी संख्या में पत्थर की खदानें हैं। अद्वितीयक खनिज संपदा के रूप में उपलब्ध है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में खदानें हैं। इस खदान के मालिक दोपहर और रात में विस्फोट करते हैं। इससे म्हराल गांव के साथ ही पास ही स्थित हनुमान नगर में भी घरों के टूटने, घरों पर पत्थर गिरने की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। इन खदान के कारण म्हाराल का आदिवासी पाड़ा विस्थापन के कगार पर है। सूर्यानगर महाराल गांव में अधिकतर चाली बस्ती है। इसी परिसर में रंजना उमाजी कांबले दो बेटियों और एक बेटे के साथ रहती थीं। उनके पति उमाजी कांबले का एक साल पहले निधन हो गया था। रंजना मजदूरी करती है, घरों में बर्तन धोती है और बच्चों को पढ़ाने के साथ ही पालन पोषण करती थी शुक्रवार सुबह करीब 3 से 3:30 बजे अचानक मकान की पटिया गिर गई और इस हादसे में रंजना कांबले (38) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी प्रज्ञा (18) गंभीर रूप से घायल हो गई, उसे इलाज के लिए मुंबई सायन अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। गनीमत रही कि पुत्र राज उम्र (16) वर्ष और बड़ी बेटी प्रीति उम्र (20) वर्ष करवट लेकर सो जाने से बाल-बाल बच गए। बताया जाता है कि सूर्यनगर बस्ती के पास पत्थर की खदान है, जिससे कई लोगों के घर हिल गए हैं। कई दुर्घटनाएं खड़ी मशीनों और खदानों में विस्फोट से हो रही हैं।

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के खिलाफ जुहू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज...

हमारे सुरक्षा बलों के जवानों ने गलवान घाटी जो बलिदान दिया था उसका ऋचा चड्ढा ने जिस तरह मजाक उड़ाया है, उससे देश के काफी लोगों को तकलीफ हुई है। मैंने पुलिस स्टेशन आकर एक पत्र दिया है कि इसके खिलाफ एक FIR दर्ज. की जानी चाहिए: जुहू पुलिस स्टेशन से फिल्म निमार्ता अशोक पंडित, मुंबई

फिल्ममेकर अशोक पंडित ने अपनी शिकायत में कहा है कि अभिनेत्री ऋचा ने भारतीय सेना की बेइज्जती की है और उनका मजाक उड़ाया है, खासकर उन सैनिकों का जो गलवान घाटी में देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए। यह आपराधिक कृत्य है और इस मामले में हर हाल में एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। बता दें कि ऋचा चड्ढा अपने बयान के लिए पहले ही माफी मांग चुकी हैं।

अशोक पंडित ने अपनी शिकायत में और क्या-क्या लिखा है? अशोक पंडित ने अपनी शिकायत में कहा है कि, ''ऋचा चड्ढा ने गलवान पर अपने बयान के जरिए न सिर्फ भारतीय सेना का मजाक उड़ाया, बल्कि शहीदों के परिवारों को भी अपमानित किया है।'' ''यह देशद्रोह जैसा कृत्य है। ऋचा चड्ढा के खिलाफ भारत और सुरक्षा बलों के खिलाफ षड्यंत्र रचने के मामले में एफआईआर होनी चाहिए। साथ ही यह भी जांच किया जाना चाहिए कि ऋचा के साथ और कौन सी एंटी नेशनल ताकतें हैं''।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 26 नवंबर 2022

यौन उत्पीड़न के दोषी को 3 साल की सजा...

मुंबईः मुंबई की एक विशेष अदालत ने 32 वर्षीय शख्स को दादर में एक लोकल ट्रेन में सवार होने के दौरान एक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में तीन साल की जेल की सजा सुनाई है. कोर्ट ने कहा कि इन घटनाओं से पता चलता है कि बहुत से लोगों से घिरे होने के बावजूद भी लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं. पीड़ित छात्रा मराठी धारावाहिक अभिनेत्री भी है.

स्पेशल जज प्रिया बांकर ने बुधवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला का शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग) और पॉक्सो अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत आरोपी को दोषी पाया. कोर्ट का आदेश गुरुवार को उपलब्ध कराया गया. बहुत भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई वारदात को ध्यान में रखते हुए जज ने अपने आदेश में कहा कि इस घटना का पीड़ित लड़की पर, उसके परिवार के सदस्यों और समाज पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है.

स्थानीय लोगों ने गांव का नाम बदल कर मुंबई हमले के शहीद के नाम पर रखा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में करीब 1000 लोगों की आबादी और 600 मकानों वाले सुलतानपुर गांव के लोगों ने 2008 में 26/11 के मुंबई हमले में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अपनी जान न्यौछावर करने वाले यहां (गांव के) के एक वीर सपूत की याद में गांव का नाम बदलकर ह्यराहुल नगरह्ल कर दिया है। राज्य रिजर्व पुलिस बल के कांस्टेबल राहुल शिंदे 14 साल पहले इस आतंकवादी हमले में वीरगति को प्राप्त हो गये थे।

राहुल शिंदे उन पुलिसकर्मियों में शामिल थे जो आतंकवादियों की गोलीबारी की खबर मिलने के बाद दक्षिण मुंबई स्थित ताजमहल पैलेस होटल में सबसे पहले पहुंचे और अंदर गए थे। राहुल शिंदे के पेट में आर्तकियों ने गोली मारी और उनकी जान चली गई थी। राहुल शिंदे सोलापुर जिले के माधा तहसील में स्थित सुलतानपुर गांव के निवासी थे। सरकार ने उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत उन्हें राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया था।

सुलतानपुर के निवासियों ने इस गांव का नाम बदलकर राहुल शिंदे के नाम पर रखने का फैसला किया क्योंकि वह इसी भूमि पर पले-बढ़े थे। हालांकि सरकारी नाम परिवर्तन कार्यक्रम अभी नहीं हुआ है। राहुल शिंदे के पिता सुभाष विष्णु शिंदे ने 26/11 हमले की बरसी से एक दिन पहले पीटीआई-भाषा को बताया, ''गांव का नाम बदलने की सारी सरकारी औपचारिकताएं पूरी कर ली गयी हैं। अब हम सरकारी नाम परिवर्तन कार्यक्रम की बाट जोह रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' हम गणमान्य अतिथियों से तारीख की पुष्टि का इंतजार रहे हैं और इसे शीघ्र ही अंतिम रूप दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) विश्वास नांगरे पाटिल ने इस प्रक्रिया में उनकी मदद की जो आतंकी हमले के दौरान मुंबई में पुलिस उपायुक्त (क्षेत्र प्रथम) थे।

सुभाष विष्णु शिंदे ने कहा, '' मैं पिछले 10 सालों से इस बारे में काम कर रहा था। आखिरकर यह हो गया। मैं अब संतुष्ट हूं तथा मैं कुछ और नहीं चाहता। मैं सम्मानित महसूस करता हूं कि यह गांव मेरे बेटे के नाम से जाना जाता है।'' अपने बेटे के बलिदान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उसने आतंकवादियों का मुकाबला करते हुए साहस का परिचय दिया एवं देश के लिए कुबार्नी दी। उन्होंने कहा, '' मुझे अपने बेटे पर गर्व है।''

सुभाष विष्णु शिंदे की दो और संतान एक बेटा एवं बेटी हैं। वह अपने छोटे बेटे के साथ रहते हैं जो शादीशुदा है। उन्होंने कहा, '' राहुल की मां अब भी सदमे में है। वह अब भी स्थिति के अनुरूप अपने आपको ढाल नहीं पायी है, उसे अब भी यह बात अस्वीकार्य है कि राहुल इस दुनिया में नहीं है।'' उन्होंने कहा, '' राहुल की शहादत के बाद सरकार ने नियमानुसार हमारी वित्तीय सहायता की। हमें मुंबई में फ्लैट एवं तालुका में एक गैस एजेंसी भी मिली जिससे परिवार को जीविकोपार्जन में मदद मिलती है।'' शिंदे परिवार ने 2010 में गांव में राहुल के नाम पर एक स्मारक भी बनाया था।

हिंदू लड़के का मुस्लिम लड़की संग था अफेयर, भीड़ ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला

मुंबईः महाराष्ट्र में दो अलग-अलग धर्मों के प्रेमी जोड़ों का प्रेम प्रसंग कुछ लोगों को इस कदर नागवार गुजर गया कि भीड़ ने प्रेमी की पीट-पीटकर हत्या कर दी. महाराष्ट्र के नांदेड़ में हिंदू लड़का और मुस्लिम लड़की एक दूसरे से प्रेम करते थे. मगर इस हिंदू-मुस्लिम लव अफेयर को ना पसंद करने वालों ने कानून को ताक पर रखकर हिंदू लड़के स्वनिल को लाठी-डंडे और रॉड से इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई. स्वनिल का मुस्लिम लड़की के साथ लव अफेयर था.

इस मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और तीन अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं. आरोप है कि 10 आरोपियों ने पीड़ित को सरेआम लाठी-डडों से पीट-पीटकर मार डाला. पुलिस अब इस जांच में जुट गई है कि ये सभी आरोपी महिला के परिवार को जानते थे या नहीं. पुलिस बाकी आरोपियों की भी तलाश कर रही है. इसकी जानकारी नांदेड़ के डीएसपी चंद्रावन देशमुख ने दी.

डीएसपी देशमुख ने कहा कि 23 नवंबर को हमारे पास एक जानकारी आई कि एक स्वप्निल नाम के लड़के की हत्या हो गई है. हमने सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया है. अब तक इस मामले में 7 आरोपी गिरफ्तार हैं और कुछ आरोपी अभी फरार चल रहे हैं. हम जल्द उनको भी गिरफ्तार कर लेंगे. फिलहाल, पुलिस इस प्रेम प्रसंग का पूरी गुत्थी भी सुलझाने में जुट गई है.

राज्यों को मिला GST बकाया, महाराष्ट्र का हिस्सा सबसे ज्यादा, दिल्ली के हाथ आए इतने करोड़

अक्सर केन्द्र और राज्य सरकार के बीच रस्साकशी का मुद्दा रहने वाला जीएसटी बकाया, आखिरकार केन्द्र सरकार ने जारी कर दिया है. केन्द्र सरकार की ओर से कुल 17,000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है और इसमें सबसे ज्यादा हिस्सेदारी महाराष्ट्र की रही है. वहीं कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य रहे हैं जिन्हें 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हासिल हुए हैं.

वित्त मंत्रालय ने जारी किए 17,000 करोड़

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर बताया कि केन्द्र सरकार ने 24 नवंबर को राज्यों को जीएसटी बकाया का 17,000 करोड़ रुपये जारी कर दिया है.जीएसटी का ये मुआवजा अप्रैल से जून 2022 की अवधि के लिए है. वित्त वर्ष 2022-23 में राज्यों को अब तक 1.15 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी बकाया दिया जा चुका है. मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि जीएसटी सेस के रूप में अक्टूबर 2022 तक केवल 72, 147 करोड़ रुपये का ही टैक्स कलेक्शन हुआ है. पर केन्द्र सरकार की ओर से 43,515 करोड़ रुपये खुद के संसाधनों से जुटाकर दिए गए हैं. इस राशि को जारी करने के साथ ही केन्द्र सरकार ने राज्यों को जीएसटी मुआवजे का उतना हिस्सा दे दिया है, जितना मार्च 2023 तक कलेक्ट होने का अनुमान है. केन्द्र सरकार ने जीएसटी का जो बकाया जारी किया है. इसमें सबसे ज्यादा हिस्सेदारी महाराष्ट्र की रही है. महाराष्ट्र के खाते में 2081 करोड़ रुपये पहुंचे हैं. वहीं 1915 करोड़ रुपये के हिस्से के साथ कर्नाटक दूसरे नंबर पर रहा है.

बोम्मई ने कर्नाटक की बसों पर महाराष्ट्र समर्थक नारे लिखे जाने की घटनाओं की निंदा की

बेंगलुरु : कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य की बसों पर महाराष्ट्र समर्थक नारे लिखे जाने की कथित घटनाओं की निंदा की है। बोम्मई ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील भी की है। बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि ऐसी घटनाएं राज्यों के बीच विभाजन पैदा करेंगी और इसलिए महाराष्ट्र को इस संबंध में तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए। पुणे से प्राप्त एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मराठी समर्थक एक संगठन के कार्यकताओं के एक समूह ने कर्नाटक के स्वामित्व वाली बसों पर कथित तौर पर काली स्याही से ''जय महाराष्ट्र'' जैसे नारे पेंट किये और बोम्मई के खिलाफ नारे लगाए।

बेलगावी को लेकर अंतर-राज्यीय सीमा विवाद के चलते दोनों राज्यों के नेताओं के बीच जारी वाकयुद्ध के बीच यह कथित घटनाएं सामने आई हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' हमारा भारत देश राज्यों का संघ है। हर राज्य के अपने अधिकार हैं। इन राज्यों का गठन राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत किया गया था। कानून बहुत स्पष्ट है और यह संबंधित सरकार का कर्तव्य है कि वह शांति, कानून और व्यवस्था बनाए रखे तथा यह देखे कि राज्यों के बीच शांति और सौहार्द्र की भावना बनी रहे।''

बसों पर महाराष्ट्र समर्थक नारे लिखे जाने की घटनाओं को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा, '' अगर कोई ऐसा कर रहा है (गाड़ियों को रंग रहा है), तो मैं इसकी निंदा करता हूं और महाराष्ट्र सरकार से तत्काल कार्रवाई करने और इसे रोकने का आग्रह करता हूं।'' उन्होंने कहा, '' यह राज्यों के बीच विभाजन पैदा करेगा। इसलिए, महाराष्ट्र सरकार को तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए, मैं विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री एवं राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस से तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''हम कानून का पालन करने वाले लोग हैं और हम अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर ही हैं।'' बोम्मई ने कहा कि महाराष्ट्र ने 2004 में उच्चतम न्यायालय में मामला दायर किया था और कर्नाटक कानूनी लड़ाई लड़ रहा है, जो भविष्य में भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा, '' हमें विश्वास है कि न्याय हमारे साथ है। हम पूरी ताकत से लड़ेंगे। हम अपनी सीमाओं और अपने लोगों की रक्षा करेंगे।'' गौरतलब है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद 1960 के दशक से चला आ रहा है। यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है।

ज्योतिष से मिले CM एकनाथ शिंदे? NCP का तंज- 'उनका भविष्य देवेंद्र फडणवीस के हाथों में ह'

एनसीपी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का एक ज्योतिष से कथित तौर पर मिलने के लिए उपहास उड़ाया. एनसीपी ने तंज करते हुए कहा कि अंधविश्वास उनकी कोई मदद नहीं करेगा क्योंकि उनका भविष्य उनके डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के हाथों में है. बता दें कि एकनाथ शिंदे और शिवसेना के कुछ अन्य विधायकों के विद्रोह के बाद जून में महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना सरकार गिर गई थी और एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के सहयोग से सरकार बनाई और खुद सीएम पद की शपथ ली. इस समय महाराष्ट्र में शिवसेना और बीजेपी की गठबंधन की सरकार है, हालांकि इस गठबंधन में बीजेपी के विधायकों की संख्या शिवसेना विधायकों से काफी अधिक है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 26 नवंबर 2022

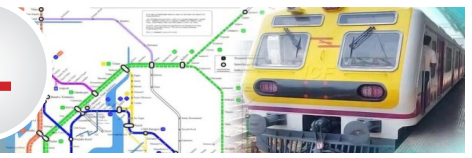

भाटी भाजपा तिगांव विस के प्रभारी नियुक्त

फरीदाबाद। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने संगठनात्मक नियुक्ति करते हुए वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता व पूर्व

जिला उपाध्यक्ष प्रकाश भाटी को तिगांव विस प्रभारी नियुक्त किया। शर्मा ने उनकी नियुक्ति पर कहा कि प्रकाश भाटी काफी वर्षों से संगठन में सक्रिय हैं और विभिन्न पदों पर पार्टी के कार्य का पदभार निभा चुके हैं और इनकी इस नियुक्ति से तिगांव विधानसभा में संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

क्रेडिट कार्ड के जरिए लगाई चपत

गुरुग्राम। सेक्टर-57 के एक व्यक्ति को क्रेडिट कार्ड के जरिए 1 लाख 71 हजार की चपत लगाने

का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। सूरी का बैंक ऑफ इंडिया का क्रेडिट कार्ड है। जब बैंक से अपनी स्टेटमेंट ली तो उन्हें पता चला कि उनके क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 71 हजार रुपए का लेनदेन किया गया है।

रूममेट ने लगाई लाखों रुपए की चपत

गुरुग्राम। डीएलएफ फेज-3 में ऑनलाइन हायर किए गए रूममेट ने लाखों की चपत लगा दी।

रूममेट मोबाइल, नगदी के अलावा कई क्रेडिट कार्ड लेकर फरार हो गया। आरोपी ने चोरी किए गए कार्डों से डेढ़ लाख रुपए भी निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी। गुप्ता ने ओएलएक्स के जरिए रूममेट की तलाश की थी।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बच्ची की मौत

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से ट्यूशन पढक़र घर लौट

रही बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। वहीं बाइक चालक पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी।अंशिका देर सांय करीब साढ़े छह बजे वह अपनी मां के साथ घर की ओर वापिस आ रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बुलेट बाइक ने उसे टक्कर मार दी।

अमृता फडणवीस के सामने बाबा रामदेव का आपत्तिजनक बयान...!

ठाणे : बाबा रामदेव एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में है। उन्होंने शुक्रवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस की मौजूदगी में महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि महिलाएं साड़ी पहनकर अच्छी लगती हैं। सलवार कमीज पहन कर भी अच्छी लगती हैं। मेरी नजर में कुछ न पहनें तो भी अच्छी लगती हैं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

दरअसल, अमृता फडणवीस के बगल में बैठे पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव ने कहा कि, महिलाएं साड़ियों में अच्छी लगती हैं, वो अमृता जी (अमृता फडणवीस) की तरह सलवार सूट में अच्छी लगती हैं और मेरी नजर में बिना कुछ पहने भी अच्छी लगती हैं। महाराष्ट्र के ठाणे में रामदेव ने कहा साड़ी पहनने की फुर्सत नहीं थी, कोई बात नहीं, अब घर जाकर साड़ी पहनो, महिलाओं को साड़ी पहनना अच्छा लगता है. महिलाएं सलवार सूट में भी अच्छी लगती हैं और मेरी तरह बिना कुछ पहने भी अच्छी लगती हैं.

बोले- महिलाएं कुछ न पहनें तो भी अच्छी लगती हैं...!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कार्यक्रम में महिलाएं योग के लिए ड्रेस लेकर आई थीं। इसके बाद महिलाओं की आमसभा का आयोजन किया गया। जिसके लिए महिलाएं साड़ियां लेकर आई थीं। तय कार्यक्रम के तहत सुबह योग विज्ञान शिविर आयोजित किया गया, जिसके बाद महिलाओं के लिए योग प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया और फिर तुरंत महिलाओं के लिए सभा शुरू की गई। जिसके चलते महिलाओं को साड़ी पहनने का मौका ही नहीं मिला।

कार्यक्रम के दौरान रामदेव ने अमृता फडणवीस की एक स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने और हमेशा युवा दिखने के प्रयास के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, उन्हें जवान दिखने का जुनून है और मेरा मानना है कि वह अगले 100 सालों तक कभी बूढ़ी नहीं होगी। वह बहुत हिसाब-किताब से खाती है, खुश रहती है और हमेशा एक मुस्कान रखती है जैसे कि एक बच्चे के चेहरे पर देखी जाती है। मैं आप सभी के चेहरों पर वही मुस्कान देखना चाहता हूं।

घाटकोपर पुलीस थाने ने मोटर सायकलची चोर गिरोह का किया भांडाफोड

3 व्यक्ती लीये हिरासत में

मुंबई : मुंबई के घाटकोपर पुलीस थाने व्दारा अक्टूबर और नवंबर महिने में मोटर सायकल चोरी के बढते हुये मामले देखकर मुंबई पुलीस आयुक्त विवेक फणसलकर और परिमंडल 7 पुलीस उपआयुक्त के निर्देश पर घाटकोपर पुलीस थाने के वरिष्ठ पुलीस निरीक्षक संजय डहाके ,पुलीस उपनिरीक्षक निखरमाते के साथ में अपराध प्रकटीकरण टीम ने 21 नवंबर को जांच में टेक्नीकल तब्दीश कि । तो पता चला कि आरोपी अंकित रविकांत मिश्रा , गणेश रामचंद्र सावंत इन तिनोंने मिलकर अपराध को अंजाम दिया । जानकारी मिली कि गणेश सावंत यह येस बँक शाखा चेंबूर में बतौर सुरक्षा रक्षक कि नौकरी कर रहा था । साथ में उसके साथी किरण पाटील इसने इसके पहले महाराष्ट्र के सांगली जिल्हे के शेडगेवाडी में होंडा शोरूम में नौकरी कि है।

कैग की टीम मनपा के वार्ड कार्यालयों में भी छान रही खाक

मनपा मुख्यालय से लेकर वार्ड कार्यालय तक टीम पहुंचने से मनपा अधिकारियो और कर्मचारी परेशान

मुंबई : मनपा में पिछले दो सालों के दौरान किए गए कामों की जांच कैग से करने का निर्देश राज्य सरकार ने दिया है। राज्य सरकार के निर्देश पर मनपा में कैग की 5 टीम पिछले 5 दिन से जांच करने में जुटी है। कैग की टीम ने अपना जांच का दायरा बढ़ाते हुए अब वार्ड कार्यालय की ओर अपना रूख कर लिया है। कैग की टीम वार्ड कार्यालयों में जाकर कोरोना काल में हुए कामों खर्च की जांच शुरू की है कैग की जांच से मनपा के कर्मचारी से लेकर अधिकारी भी परेशान हुए है। कैग की टीम मनपा में पिछले दो सालों के दौरान मनपा में मुख्य रूप से लगभग 12000 (बारह हजार करोड़) के कामों की जांच कैग की टीम कर रही है। कैग की टीम मुख्य रूप से उन्ही वार्डो में जा रही है जिन वार्ड में जंबो कोविड़ सेंटर था उसी वार्डो में जांच का दायरा अधिक रखा है। जंबो कोवीड सेंटर भायखला रिचड्र्सन कुडस , वर्ली अंधेरी सेवहन अस्पताल, आदि इलाको के वार्ड में जांच का दायरा बढ़ाया है। कैग की टीम लेखा परीक्षक द्वारा किए गए खर्च की जांच कर रही है इसके अलावा विदेश से आने नागरिकों को होटल में रखा जा रहा था जिसका खर्च मनपा उठा रही थी । कैग की टीम यात्रियों की पूरी जानकारी इकट्ठा कर रही है। मनपा अधिकारियो का कहना है कि कोरोना काल में डिजास्टर एक्ट के तहत काम करना पड़ा था उस दौरान आदमी नही मिल रहे थे सामान मिलना तो दूर की बात थी फिर भी लोगो को सुविधा मुहैया कराने के लिए मनपा कर्मी अपनी जान की बाजी लगाकर लोगो को सुविधा उपलब्ध कराई।अब मनपा कर्मचारियों को जांच का सामना करना पड़ रहा है।

श्रद्धा हत्याकांड की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत में हो: अजीत पवार

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजीत पवार ने मांग की है कि श्रद्धा वालकर हत्याकांड की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत द्वारा की जानी चाहिए और दोषियों को कठोरतम सजा दी जानी चाहिए। पवार ने कहा कि यदि कोई पुलिसकर्मी कर्तव्य में लापरवाही का दोषी पाया जाता है तो उसकी जांच होनी चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता ने कहा कि दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसा अपराध करने की हिम्मत न करे। याद रहे कि इस साल मई में, 27 वर्षीय वालकर की दिल्ली में उसके सह जीवन साथी आफताब पूनावाला ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी। उसने कथित तौर पर वालकर का गला घोंट कर उसके शरीर को 35 टुकड़ों में काट दिया था, जिसे उसने कई दिनों तक आधी रात को शहर भर में फेंकने से पहले दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में अपने आवास पर लगभग तीन सप्ताह तक फ्रिज में रखा था। वालकर ने 2020 में महाराष्ट्र में पालघर पुलिस से शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने पूनावाला पर उसे मारने की कोशिश करने का आरोप लगाया था और कहा था कि उसे डर है कि वह उसके टुकड़े-टुकड़े कर देगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि वालकर ने महाराष्ट्र के एक पुलिस स्टेशन में आफताब के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं की गई और चूक की जांच शुरू की जाएगी। शाह के बयान के बारे में पूछे जाने पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता ने कहा कि एक-दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय यदि कोई पुलिस अधिकारी या पुलिस कांस्टेबल कर्तव्य में लापरवाही का दोषी पाया जाता है तो जांच होनी चाहिए। पवार ने कहा कि मामले की सुनवाई के लिए एक फास्ट ट्रैक अदालत का गठन किया जाना चाहिए और दोषियों को सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में संदेश जाना चाहिए कि इस तरह के कृत्य की सजा मात्र मृत्युदंड है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com